

Subject – Hindi.

Lesson –4 मेरा भारत देश

class – 4th

Worksheet

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर कुछ शब्दों में लिखिए-

(क) इस कविता में कवि किसका उपकार मान रहा है?

(ख) कवि किसके योग्य बनना चाहता है?

(ग) कवि किसके सपने को पूरा करना चाहता है?

पशु

भारत

बापू

3. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) प्रभु ने हम पर क्या उपकार किया है?

(ख) कवि किस-किसको अपना सगा मानना चाहता है?

(ग) प्रकृति, पुरुष और पशु को सगा मानकर कवि की क्या करने की इच्छा है?

(घ) हम किसमें पलते हैं?



पाठ से आगे

आपकी सोच-समझ

- आपस में प्यार बढ़ाने के लिए हमें क्या करना चाहिए?



भाषा की दुनिया

पर्यायवाची शब्द, है-हैं का प्रयोग, 'की, कि' का प्रयोग

1. दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द छांटकर लिखिए-

आँख - नेत्र नेयन

देश - वतन मुल्क

जल - पानी नीर

बल - ताकत शक्ति

पानी	मुल्क
नयन	ताकत
	शक्ति
नीर	नेत्र वतन

2. 'है' या 'हैं' से खाली जगह भरिए-

(क) हम भारत में रहते हैं।

(ख) भारत मेरी मातृभूमि है।

(ग) मैंने इनके दुख को अपना माना है।

(घ) हम आपस में भाई-भाई हैं।

3. शब्दों को जोड़ने के लिए 'की' का प्रयोग करते हैं तथा वाक्यों को जोड़ने के लिए 'कि' का प्रयोग करते हैं। अब आप 'की' या 'कि' से खाली जगह भरिए—

- (क) प्रभु तेरा उपकार कि मैं भारत में रहता हूँ।
(ख) मातृभूमि की प्रकृति, पुरुष, पशु सबको अपना सगा गिनाँ।
(ग) प्रभु ऐसा बल दो कि कर सकूँ पूरा बापू का सपना।
(घ) बच्चे भारत की शान हैं।



रचनात्मक

सुनिए और बताइए

- अब आपके सामने अध्यापक/अध्यापिका एक कहानी सुनाएँगे। उसे ध्यानपूर्वक सुनकर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— (अध्यापक/अध्यापिका श्रुतभाव ग्रहण हेतु पृष्ठ-96 देखें।)
(क) रामी के पिता क्या बनाते थे? (ख) रामी की माँ क्या बनाती थीं?
(ग) नैना ने रामी को क्या दिया? (घ) रामी का घोड़ा कैसा था?

खोजबीन

- दिए गए राष्ट्रीय चिहनों के बारे में पता करके लिखिए—
(क) राष्ट्रीय ध्वज (ख) राष्ट्रीय स्तंभ (ग) राष्ट्रीय पशु-पक्षी (घ) राष्ट्रीय फूल

लेखन

- 'मेरा देश महान' विषय पर एक निबंध लिखिए।

हँसने की बारी

चिटू आराम से बैठा था। तभी मिंटू बोला—



हिंदी-4

31

कक्षा - 4: हिन्दी 'नवभारती'

पाठ - 4 :

मेरा भारत देगा

प्रश्नोत्तर

प्र० 1. प्रभु ने हम पर क्या उपकार किया है ?

उ०. हम भारत में रहते हैं, प्रभु ने हम पर यह उपकार किया है।

प्र० 2. कवि किस-किसको अपना सगा मानना चाहता है ?

उ०. कवि मातृभूमि की प्रकृति, पुरुष, पशु सबको अपना सगा मानना चाहता है।

प्र० 3. प्रकृति, पुरुष और पशु को सगा मानकर कवि की क्या करने की इच्छा है ?

उ०. प्रकृति, पुरुष और पशु को सगा मानकर कवि की इच्छा इनके सुख-दुख को अपना मानने की है।

प्र० 4. हम किसमें पलते हैं ?

उ०. हम भारत के जल, पवन, अन्न व माटी में पलते हैं !

